SYLLABUS FOR THE POST OF LECTURER (10+2) HINDI

प्रथम भाग :- व्याकरण और भाषाविज्ञान

व्याकरण:-

1.शब्द विचार,तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशज शब्द।

2.हिंदी व्याकरण में लिंग, वचन, विशेषण, क्रिया कारक और समास।

3.संधि, संधि विच्छेद, उपसर्ग और प्रत्यय।

4.वाक्य रचना, उपवाक्य और वाक्य के भेद।

भाषाविज्ञान:-

1.भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, विभिन्न भाषा परिवार, भारोपीय भाषा परिवार में शामिल भाषाएं।

2.व्याकरणिक कोटियों का परिचय।

3.भाषा विज्ञान का नामकरण, परिभाषा और क्षेत्र, स्वर और व्यंजन का अन्तर और वर्गीकरण।

द्वितीय भाग:-हिंदी भाषा का इतिहास

1.हिंदी भाषा का उद्भव और विकास।

2.हिंदी की उपभाषा, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी और उनकी बोलियाँ।

3.खड़ी बोली, ब्रज और अवधि भाषा की विशेषताएँ।

4. देवनागरी लिपि:- विशेषताएँ और मानकीकरण।

5.हिंदी की संवैधानिक स्थिति।

6.राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्कभाषा के रूप में हिंदी।

7. संचार माध्यम और हिंदी, कंप्यूटर और हिंदी।

तृतीय भाग:- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

1. काव्य की परिभाषा, काव्य के लक्षण, काव्य हेतु और काव्य प्रयोजन।

2. रस सम्प्रदाय:- रस शब्द की व्युत्पत्ति, अर्थ और इतिहास, भरतमुनि का रस सूत्र, भट्टनायक और रामचंद्र शुक्ल का साधारणीकरण।

3. अलंकार सम्प्रदाय:- प्रमुख आचार्य और उनकी स्थापनाएँ, अलंकार शब्द की व्युत्पत्ति, काव्य में अलंकारों का महत्व।
4. प्रमुख अलंकार:- अनुप्रास , यमक, श्लेष, उत्प्रेक्षा, विरोधाभास, व्यायोक्ति, अर्थान्तर, विशेषोक्ति और मानवीकरण की परिभाषा तथा लक्षण।
5. प्लेटो एवं अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त।
6. आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता तथा यथार्थवाद।

चतुर्थ भाग :- हिंदी साहित्य का इतिहास

क) आदिकाल :- आदिकाल का नामकरण, आदिकालीन साहित्य की मुख्य प्रवृत्तियाँ, रासो साहित्य का सविस्तार अध्ययन।

ख) भक्तिकाल:-

(अ) सगुण भक्ति धारा के अंतर्गत कृष्ण काव्य और राम काव्य का परिचय और इतिहास, कृष्ण और राम भक्ति काव्यधारा की प्रमुख विशेषताएँ, प्रमुख कवि और उनकी कृतियाँ (तुलसीदास तथा सूरदास)।

(आ) निर्गुण ज्ञानमार्गी एवं प्रेममार्गी काव्यधारा का परिचय और इतिहास, प्रमुख कवि और कृतियाँ, ज्ञानमार्गी और प्रेममार्गी काव्यधारा की प्रमुख विशेषताएँ (कबीर और जायसी)।

ग) रीतिकाल:- ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल का नामकरण, रीतिकाल के प्रमुख कवि, रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

घ) आधुनिक काल:-

(अ) गद्य साहित्य:- उपन्यास की परिभाषा और तत्व, हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास, कहानी की परिभाषा और तत्व, हिंदी कहानी का उद्भव और विकास, नाटक की परिभाषा एवं तत्व, हिंदी नाटक का उद्भव और विकास।

(आ) पद्य साहित्य:- भारतेंदु युग, द्विवेदीयुग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद एवं नई कविता : प्रमुख विशेषताएँ एवं कवियों का व्यक्तित्व और कृतित्व।